भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2224

09 अगस्त, 2024 को उत्तर के लिए

ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात उत्पादन और निवेश

2224. श्री सी.वी षनमुगम:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) चार वर्ष पहले की तुलना में देश में वर्तमान में इस्पात उत्पादन का ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करने तथा आर्थिक रूप से अल्प विकसित क्षेत्रों को विकसित करने के लिए इस्पात उद्योग को ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश करने का निदेश दे रही है; और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) वर्ष 2023-24 तथा 4 वर्ष पूर्व अर्थात वर्ष 2019-20 के दौरान, क्रूड इस्पात के उत्पादन संबंधी आंकड़े नीचे दर्शाए गए हैं:-

वर्ष	**क्रूड इस्पात उत्पादन (एमटी में)**
2019-20	109.14
2023-24	144.30
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी); एमटी= मिलियन टन	

(ख) और (ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। सरकार इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए अनुकूल नीतिगत वातावरण सृजित करके एक सुविधाप्रदाता की भूमिका निभाती है। इस्पात कंपनियों द्वारा इस्पात संयंत्रों की स्थापना बाजार के समीकरणों, कच्ची सामग्री के लिए लॉजिस्टिक तथा अन्य वाणिज्यिक व्यवहार्यताओं के आधार पर की जाती है। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात उद्योग को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:-

i. गति-शक्ति मास्टर प्लान, विनिर्माण क्षेत्र के लिए "मेक इन इंडिया" पहल तथा सरकार की अन्य प्रमुख योजनाओं के माध्यम से अवसंरचनात्मक विकास के लिए सरकार का प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश में इस्पात की मांग एवं खपत को बढ़ावा देता है।

ii. इस्पात मंत्रालय ने इस्पात के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना के एक हिस्से के रूप में स्ट्रक्चरल इस्पात का उपयोग करते हुए आंगनवाड़ियों तथा घरों के टाइप डिजाइनों के विकास के लिए परियोजना की शुरूआत की है।

iii. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) तथा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) जैसे इस्पात सीपीएसई ने ग्रामीण डीलरों को नियुक्त किया है तथा इस्पात के उपयोग के लाभों के संबंध में विशेष रूप से ग्रामीण भारत को शिक्षित बनाने के उद्देश्य से विभिन्न संवर्धनात्मक गतिविधियों में भी शामिल किया है।

iv. इस्पात निर्माण के लिए अपेक्षित लौह अयस्क खनन गतिविधियां व्यापक रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में की जाती है तथा यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के प्रमुख स्रोत है।

****